1- पेट्रोलियम मंत्री ने किया इथेनॉल 100 ईंधन जारी (लॉन्च)

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने नई दिल्ली में इंडियन ऑयल के खुदरा विक्रय केन्द्रों (रिटेल आउटलेट) के लिए 'इथेनॉल 100' जारी (लॉन्च) किया। 'इथेनॉल 100' पांच राज्यों मे उपलब्ध होगा - महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली और तमिलनाडु ।

इथेनॉल 100 ईंधन में हमारे परिवहन क्षेत्र को बदलने और जीवाश्म ईंधन पर हमारी निर्भरता को कम करने की क्षमता है। "यह आयात निर्भरता को कम करने, विदेशी मुद्रा के संरक्षण और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। 2023 में ई 20 (20% इथेनॉल मिश्रित ईंधन) की घोषणा की गई थी । वर्तमान में भारत में पेट्रोल के साथ 8.5% इथेनॉल मिश्रित होता है

अपने वर्ष 2025- 26 तक 20% इथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य की प्राप्ति के बहुत पास हैं। पिछले 10 वर्षों के दौरान इन इथेनॉल मिश्रण पहलों से किसानों की आय में वृद्धि होने के साथ-साथ ग्रामीण रोजगार में वृद्धि हुई है और 1.75 करोड़ वृक्ष लगाने के बराबर कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन में कमी आई है और इसके परिणामस्वरूप 85,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की भी बचत हुई है।"

इथेनॉल :– यह प्रमुख जैव ईंधनों में से एक है, जो प्रकृतिक रूप से खमीर अथवा एथिलीन हाइड्रेशन जैसी पेट्रोकेमिकल प्रक्रियाओं के माध्यम से शर्करा के किण्वन द्वारा उत्पन्न होता है। जबकि इथेनॉल फ्यूल एथिल अल्कोहल के रूप में भी जाना जाता है। यह एक प्रकार का बॉयो-फ्यूल है। इसे मक्का, गन्ना, गेहूं और एग्री क्राप के पौधों से तैयार किया जाता है।

इसका प्रोडक्शन फर्मेंटेशन प्रॉसेस से किया जाता है, जिसे चीनी के मॉलीक्यूलर यीस्ट या अन्य माइक्रोआर्गेनिज्म्स की क्रिया द्वारा अल्कोहल में बदला जाता है। इसमें :– 92 से 94% तक इथेनॉल, 4-5 % मोटर स्पिरिट और 1.5 % को-सॉल्वेंट हाइअर सैचुरेटेड अल्कोहल का मिश्रण होता है।

इथेनॉल सम्मिश्रण का उद्देश्य

ऊर्जा सुरक्षा :–

इथेनॉल के अधिक उपयोग से देश में तेल आयात की कमी होगी जिससे मुद्रा भण्डार को बचाने में मदद मिल सकती है। वर्ष 2020-21 में भारत की शुद्ध आयात लागत 551 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। E20 कार्यक्रम देश के लिये प्रतिवर्ष 4 बिलियन अमेरिकी डॉलर (30,000 करोड़ रुपए) बचा सकता है।

यह पेट्रोल का एक स्वच्छ और हरित विकल्प है। यह ईंधन ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम उत्पन्य करता है, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और वायु प्रदूषण में सुधार करने में मदद करता है। इथेनॉल 100 गाड़ियों के लिए भी अच्छा है। यह गाड़ियों की इंजन क्षमता को बेहतर करता है। भविष्य में इथेनॉल 100 मुख्य फ्यूल के विकल्प के रूप में उपलब्ध हो सकता है। यह पारंपरिक पेट्रोल के मुकाबले पर्यावरण के ज्यादा अनुकूल ईंधन ऑप्शन है। किसानों के लिये प्रोत्साहन मिलेगा क्योंकि तेल कंपनियाँ किसानों से इथेनॉल के लिए कृषि अब्शिस्ट खरीदती हैं, जिससे गन्ना किसानों को फायदा होता है।

2 :- MP की 6 धरोहर यूनेस्को अस्थायी सूची में

मध्यप्रदेश की 6 ऐतिहासिक स्थलों को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने अपनी अस्थायी सूची में शामिल किया है। ये दर्शनीय स्थल ग्वालियर किला, धमनार का ऐतिहासिक समूह, भोजेश्वर महादेव मंदिर भोजपुर, चंबल घाटी के रॉक कला स्थल, खूनी भंडारा बुरहानपुर, रामनगर और मंडला का गोंड स्मारक है।

ग्वालियर किला:

ग्वालियर का किला एक पहाड़ी (गोपाचल पर्वत) पर स्थित है। अपनी 10 मीटर ऊंची दीवारों के साथ यह किला उत्कृष्ट मूर्तियों एवं उल्लेखनीय वास्तुकला से सुसज्जित है। ग्वालियर किले की नींव छठी शताब्दी ईस्वी में राजपूत शासक सूरज सेन ने रखी थी। विभिन्न शासकों के आक्रमण और शासन करने के बाद तोमरों ने 1398 में किले पर कब्जा किया। तोमरों में सबसे प्रसिद्ध मान सिंह थे। उन्होंने ही किले परिसर के अंदर कई स्मारकों का निर्माण कराया था।

धमनार ऐतिहासिक समूहः

धमनार गुफाएं मंदसौर जिले के धमनार गांव में स्थित हैं।
चट्टानों को काटकर बनाई गई 51 गुफाएं, स्तूप, चैत्य, मार्ग और सघन आवास हैं और इसे 7 वीं शताब्दी ईस्वी में बनाया गया था। यहां पर बैठे हुए और निर्वाण मुद्रा में गौतम बुद्ध की विशाल प्रतिमा शामिल हैं। उत्तरी किनारे पर चौदह गुफाएं ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण हैं, जिनमें बारी कचेरी (बड़ा प्रांगण) और भीमा बाजार उत्कृष्ट हैं।
बारी कचेरी गुफा 20 फीट वर्गाकार है और इसमें एक स्तूप और चैत्य शामिल हैं। बरामदे में लकड़ी की वास्तुकला के साथ एक पत्थर की रेलिंग शामिल हैं।

भोजेश्वर महादेव मंदिर भोजपुरः

भोपाल से 28 किमी दूर स्थित भोजपुर नामक स्थान पर यह मंदिर स्थित है यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।
यहां उपस्थित शिवलिंग को एक ही पत्थर से उकेरा गया।
गर्भगृह में विशाल लिंग लगभग 6 मीटर की परिधि के साथ 2.35 मीटर लंबा है। यह 6 मीटर वर्ग में तीन-स्तरीय बलुआ पत्थर के मंच पर स्थापित है। इसकी अद्भुत वास्तुकला की वजह से इसे 'पूर्व का सोमनाथ' की उपाधि दी गई। भोजपुर गांव में एक पहाड़ी पर राजा भोज ने 1010 से 1053 ईस्वी के बीच निर्माण का आदेश दिया था। हालांकि, मंदिर कभी भी अपने पूर्ण निर्माण तक नहीं पहुंच पाया।

रॉक आर्ट साइट ऑफ द चंबल वेली:

चंबल बेसिन और मध्य भारत में विभिन्न ऐतिहासिक काल और सभ्यताओं से उत्पन्न रॉक कला स्थलों की दुनिया की सबसे बड़ी सघनता है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में फैले ये स्थल प्राचीन मानव निवास और सांस्कृतिक विकास की अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। पुरापाषाण काल से लेकर ऐतिहासिक काल तक फैली, रॉक कला दैनिक जीवन, धार्मिक अनुष्ठानों और शिकार प्रथाओं के दृश्यों को दर्शाती है। चंबल बेसिन में रॉक कला स्थल कलात्मक शैलियों और सांस्कृतिक प्रभावों का मिश्रण प्रदर्शित करते हैं, जो क्षेत्र के गतिशील इतिहास को दर्शाते हैं।

• खूनी भंडारा बुरहानपुरः

अपनी तरह की अनोखी जल आपूर्ति प्रणाली खूनी या कुंडी भंडारा बुरहानपुर में स्थित है, जो 407 साल पहले तैयार की गई थी और भी संचालित है और लोगों के लिए उपयोगी है। इसका निर्माण 1615 में बुरहानपुर के शासक रहे अब्दुर्रहीम खानखाना ने करवाया था।

गोंड स्मारक मंडला रामनगरः

मंडला जिले का रामनगर गोंड राजाओं का गढ़ हुआ करता था। वर्ष 1667 में गोंड राजा हृदय शाह ने नर्मदा नदी के किनारे मोती महल का निर्माण करवाया था। सीमित संसाधन और तकनीक के बावजूद पांच मंजिला महल राजा की इच्छाशक्ति की गवाही देता है। समय के साथ दो मंजिलें जमीन में दब गई हैं लेकिन तीन मंजिलें आज भी देखी जा सकती हैं।

3 :– FSSAI ने फोर्टिफिकेशन के लिए मानक निर्धारित

FSSAI ने फोर्टिफिकेशन के लिए मानक भी निर्धारित किये हैं –

गेहूँ-आटा-चावल (आयरन, विटामिन B12 और फोलिक एसिड के साथ) दूध और खाद्य तेल (विटामिन A और D के साथ) डबल फोर्टिफाइड नमक (आयोडीन और आयरन के साथ). इसके द्वारा फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों की पहचान के लिए +F लोगों की शुरुआत की गई है. इसके द्वारा सम्पूर्ण भारत में बड़े स्तर पर फूड फोर्टिफिकेशन (food fortification) को प्रोत्साहित करने के लिए फूड फोर्टिफिकेशन रिसोर्सेज सेंटर (FFRC) की स्थापना की गई है.

Food fortification के लाभ

सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से होने वाले रोग जैसे एनीमिया, जीरोफ्थैल्मिया, गोइटर आदि प्रचलित रोगों का उन्मूलन. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में लगभग 50% महिलाएँ और बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं. इससे निपटने में मदद मिलेगी। विटामिन D की कमी (यह समस्या जनसंख्या के 70% से अधिक लोगो में देखी गई है) निपटने के लिए फूड फोर्टिफिकेशन को एक प्रभावी उपकरण के रूप में उपयोग किया जा सकता है.
संक्रामक रोगों से मृत्यु के खतरे को कम कर सकता है.

4 मानव विकास रिपोर्ट 2023/2024 जारी

रिपोर्ट का नाम/शीर्षक :– "ब्रेकिंग द चिडलॉक री-इमेजनिंग को-ऑपरेशन इन ए पोलराइज्ड वर्ल्ड" ।
यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के द्वारा जारी की जाती है

रिपोर्ट में उल्लिखित मुख्य बिंदु :–
मानव विकास सूचकांक (HDI): 2020 और 2021 के दौरान HDI में भारी गिरावट देखी गई जिसका कारण कोविय-19 महामारी थी परंतु अब 2023 का HDMI नई ऊंचाई पर पहुंच रहा है। किंतु अभी भी रिकयरी में अंतर: देखा जा रहा है महामारी के बाद संपन्न देश मजबूत रिकवरी के संकेत दे रहे , सबसे गरीब देश अभी भी संघर्ष कर रहे ।

रिपोर्ट की मुख्य सिफारिसें:

शासन व्यवस्था के नए दृष्टिकोण के माध्यम से राजनीतिक ध्रुवीकरण को हतोत्साहित किया जाना चाहिए। समान मानव विकास के लिए नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग में अधिक समानता लाने हेतु डिजिटल ग्लोवल पब्लिक गुड्स (जो चिना किसी को बंचित किए सभी के लिए उपलब्ध)को बढ़ावा देना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय मदद के साथ नई वित्तीय प्रणाली की स्थापना की आवश्यकता है।

यह प्रणाली कम आय वाले देशों को मानवीय सहायता और पारंपरिक विकास सहायता के लिए पूरक का काम करेगी।

HDI 2023/24 में देशों का प्रदर्शन :–

2022 :– 193 देशों में भारत को 134वां स्थान । भारत का HDI मान बढ़कर 0.644 है। HDI 2023/34 की रैंकिंग 2022 के प्रदर्शन पर आधारित है। भारत ने सभी HDI संकेतकों में बेहतर प्रदर्शन किया है । भारत को मध्यम मानव विकास श्रेणी में रखा गया। प्रथम स्थान स्विट्जरलैंड को प्राप्त । फिर नॉर्वे व आइसलैंड का स्थान ।